SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

कानपुर, बुधवार 07 फरवरी-2024

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय रोजगार परक शिक्षा के प्रति दे रहा विशेष ध्यान

समाज का साथी

कानपुर । सीएसए के अधीन बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर कृषि इंजीनियरिंग कालेज में विगत पिछले 45 दिनों से चल रहे एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम ईएलपी के विशेष प्रशिक्षण समापन अवसर पर प्रतिभागी छात्र छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र वितरित करते हुए महाविद्यालय के डीन डॉ एन के शर्मा ने बताया कि,हमारे इस कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी छात्र छात्राएं आज रोजगार परक शिक्षा लेकर समाज में सेवा देने के लिए तैयार है जो कि, विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों में अपनी प्रतिभा और मेधा के बल पर अच्छे वेतन पर देश विदेश मे भी अपना स्थान बनाने में लगातार सफल हो रहे है जो कि, हमारे महाविद्यालय परिवार के लिए बड़े ही गौरव का विषय भी है। आज आयोजित प्रेस वार्ता में डीन डॉ एन के शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि, हमारे कुलपति पर लगाए गए अनियमितता के आरोप अनर्गल है जिनका मैं खंडन करता हूं और निंदा भी करता हूं क्यों कि,किसी भी गेस्ट फैकल्टी को एक सत्र के लिए ही नियुक्त किया जाता है अतः वर्तमान में इटावा परिसर में नियुक्त गेस्ट फैकल्टी में कुल 18 गेस्ट फैकल्टी में से मात्र 5 गेस्ट फैकल्टी ही सामान्य वर्ग के है शेष सभी ओबीसी एवम अनुसूचित जाति से संबंध रखते है इन सभी की नियुक्ति में संबंधित संकाय के अधिष्ठाता ही चयन समिति के अध्यक्ष थे। इस आधार पर पर इन पर लगाए जा रहे आरोप उनकी स्वच्छ छवि को धूमिल करने का एक निरर्थक प्रयास मात्र ही है। इसी के साथ महाविद्यालय की विशेष उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि,अगले सत्र से महाविद्यालय सेंटर फॉर एक्सीलेंस का एक केंद्र भी बनाने की ओर तेजी से अग्रसर है जिसके तहत छात्र,छात्राओं एवम महाविद्यालय के सभी शिक्षकों को इसी कैंपस में नैतिक मूल्यों का विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा । इसी क्रम में उन्होंने बताया कि,हमारे महाविद्यालय के विशाल प्राकृतिक परिसर में आए दिन विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों की गतिविधियां दिखाई देती रहती है जिसे दृष्टिगत रखते हुए हमारे परिसर में एक विशेष वन्यजीव रेस्क्यू हेल्प डेस्क की भी स्थापना की जा रही है जिसका अनुमोदन कुलपति द्वारा महाविद्यालय को प्राप्त हो गया है जिसका शुभारंभ भी जल्द ही किया जायेगा। प्रेस वार्ता में डीन डॉ एन के शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ प्रदीप कुमार सिंह भदौरिया, एडीएसडब्ल्यू डॉ टी के महेश्वरी,डॉ अखिलेश सिंह भदौरिया एवम डॉ आशीष राजपूत उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 216 कानपुर, बुधवार 07 फरवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय रोजगार परक शिक्षा के प्रति दे रहा विशेष ध्यान

कानपुर । सीएसए के अधीन बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर कृषि इंजीनियरिंग कालेज में विगत पिछले 45 दिनों से चल रहे एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम ईएलपी के विशेष प्रशिक्षण समापन अवसर पर प्रतिभागी छात्र छात्राओं को मेडल और प्रमाण पत्र वितरित करते हुए महाविद्यालय के डीन डॉ एन के शर्मा ने बताया कि,हमारे इस कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी छात्र छात्राएं आज रोजगार परक शिक्षा लेकर समाज में सेवा देने के लिए तैयार है जो कि, विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों में अपनी प्रतिभा और मेधा के बल पर अच्छे वेतन पर देश विदेश मे भी अपना स्थान बनाने में लगातार सफल हो रहे है जो कि, हमारे महाविद्यालय परिवार के लिए बड़े ही गौरव का विषय भी है। आज आयोजित प्रेस वार्ता में डीन डॉ एन के शर्मा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि, हमारे कुलपति पर लगाए गए अनियमितता के आरोप अनर्गल है जिनका मैं खंडन करता हूं और निंदा भी करता हूं क्यों कि,किसी भी गेस्ट फैकल्टी को एक सत्र के लिए ही नियुक्त किया जाता है अत: वर्तमान में इटावा परिसर में नियुक्त गेस्ट फैकल्टी में कुल 18 गेस्ट फैकल्टी में से मात्र 5 गेस्ट फैकल्टी ही सामान्य वर्ग के है शेष सभी ओबीसी एवम अनुसूचित जाति से संबंध रखते है इन सभी की नियुक्ति में संबंधित संकाय के अधिष्ठाता ही चयन समिति के अध्यक्ष थे।

इस आधार पर पर इन पर लगाए जा रहे आरोप उनकी स्वच्छ छवि को धूमिल करने का एक निरर्थक प्रयास मात्र ही है। इसी के साथ महाविद्यालय की विशेष उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि,अगले सत्र से महाविद्यालय सेंटर फॉर एक्सीलेंस का एक केंद्र भी बनाने की ओर तेजी से अग्रसर है जिसके तहत छात्र,छात्राओं एवम महाविद्यालय के सभी शिक्षकों को इसी कैंपस में नैतिक मूल्यों का विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा इसी क्रम में उन्होंने बताया कि हमारे महाविद्यालय के विशाल प्राकृतिक परिसर में आए दिन विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों की गतिविधियां दिखाई देती रहती है जिसे दृष्टिगत रखते हुए हमारे परिसर में एक विशेष वन्यजीव रेस्क्यू हेल्प डेस्क की भी स्थापना की जा रही है जिसका अनुमोदन कुलपति द्वारा महाविद्यालय को प्राप्त हो गया है जिसका शुभारंभ भी जल्द ही किया जायेगा। प्रेस वार्ता में डीन डॉ एन के शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ प्रदीप कुमार सिंह भदौरिया, एडीएसडब्ल्यू डॉ टी के महेश्वरी,डॉ अखिलेश सिंह भदौरिया एवम डॉ आशीष राजपूत उपस्थित रहे।

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-38 लखनऊ व एटा से प्रकशित बुधवार 07 फरवरी 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 8

आलू उत्पादन के एकीकृत प्रबंधन पर हुआ प्रशिक्षण

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम भगवंतपुर में किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर संजीव सचान द्वारा बताया गया कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। डॉ संजीव सचान ने किसानों को बताया कि अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर

वैज्ञानिक डा.इंद्रपाल सिंह द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ प्रांजल सिंह द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राम प्रकाश द्वारा की गई।इस कार्यक्रम में कृषक संतोष कुमार रघुवर दयाल सहित 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 172 कानपुर, बुधवार 7 फरवरी 2024 पृष्ठ: 8 मूल्य-2.00 ₹

आलू उत्पादन के एकीकृत प्रबंधन पर हुआ प्रशिक्षण

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम भगवंतपुर में किया गया कार्यक्रम में डॉक्टर संजीव सचान द्वारा बताया गया कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं डॉ संजीव सचान ने किसानों को बताया कि अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिक डा.इंद्रपाल सिंह द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने

की सलाह दी डॉ प्रांजल सिंह द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें डॉ आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राम प्रकाश द्वारा की गई।इस कार्यक्रम में कृषक संतोष कुमार रघुवर दयाल सहित 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।

इस्कॉन मंदिर से आए प्रभुजी ने नन्हे नौनिहालों को दी श्रीमद भागवत गीता की कक्षाएं

श्रीमद् भागवत गीता के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण जी के स्वयं श्री

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

कानपुर, बुधवार 07 फरवरी-2024 पृष्ठ -8

आलू उत्पादन के एकीकृत प्रबंधन पर हुआ प्रशिक्षण

समाज का साथी

कानपुर। सीएसए के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम भगवंतपुर में किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर संजीव सचान द्वारा बताया गया कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। डॉ संजीव सचान ने किसानों को बताया कि अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिक डा.इंद्रपाल सिंह द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ प्रांजल सिंह द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।

समाज का साथी
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
शाहनाज परवीन मुस्तफाई प्रेस 96/72 केनालगंज, कानपुर से मुद्रित तथा 14/80, सिविल लाइन, कानपुर से प्रकाशित
सम्पादक मो0 वहीद 7571088215
विधि सलाहकार धीरज कुमार वर्मा -एडवोकेट मो0:- 8960772900
चीफ एडिटर- मो0 अली मोबाइल नं0-7571088215
उप संपादक -दानिश अली मोबाइल नं0-8299005726
सिटी इंचार्ज-मो0 सुफियान मोबाइल नं0-9026849483
लेखों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है। समस्त विवाद प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर कानपुर न्यायालय में मान्य होंगे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD

मंगलवार

06 फरवरी, 2024

अंक - 177

खबर एक्सप्रेस

आलू उत्पादन के एकीकृत प्रबंधन पर हुआ प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम भगवंतपुर में किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर संजीव सचान द्वारा बताया गया कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। डॉ संजीव सचान ने किसानों को बताया कि अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिक डा.इंद्रपाल सिंह द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ प्रांजल सिंह द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित

करें। डॉ आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राम प्रकाश द्वारा की गई।इस कार्यक्रम में कृषक संतोष कुमार रघुवर दयाल सहित 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 15 अंक : 216 कानपुर, बुधवार 07 फरवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आलू उत्पादन के एकीकृत प्रबंधन पर हुआ प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए के साग भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल सुधार योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति उप योजना के अधीन आलू उत्पादन कृषक तकनीकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम भगवंतपुर में किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर संजीव सचान द्वारा बताया गया कि जनपद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। डॉ संजीव सचान ने किसानों को बताया कि अधिक आलू उत्पादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करें तथा खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का भी प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिक डा.इंद्रपाल सिंह द्वारा बताया गया कि जिन खेतों में आलू की फसल की बुवाई की जाती है उसमें बुवाई से पहले हरी खाद का अवश्य प्रयोग करें। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान द्वारा लहसुन फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर के प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के उपरांत मूंग, उर्द मक्का की बुवाई करने की सलाह दी। डॉ प्रांजल सिंह द्वारा कहा गया कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को बीज के रूप में रखना चाहते हैं वे भंडारण से पूर्व उनका बोरिक एसिड से तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राम प्रकाश द्वारा की गई।इस कार्यक्रम में कृषक संतोष कुमार रघुवर दयाल सहित 100 अधिक महिला एवं पुरुष किसानों ने प्रतिभा किया।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 7 फरवरी • 2024

आलू उत्पादन में एकीकृत प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

नपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद ं एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के ब्भाजी अनुभाग द्वारा किसानों को आलू ादन में एकीकृत प्रवंधन का प्रशिक्षण दिया । यहां किसानों से आलू उत्पादन लिये नवीन प्रजातियों प्रयोग करने को ा गया।

एक्रिप आलू ल सुधार योजना अंतर्गत ुसूचित जाति उप ना के अधीन आलू ादन कृपक तकनीकी य पर एक दिवसीय क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया गया। र्यक्रम में डॉ.संजीव ान ने वताया कि पद में आलू उत्पादन की असीम संभावनाएं उन्होंने किसानों से कहा कि अधिक आलू ादन के लिए नवीन प्रजातियों का प्रयोग करने साथ खेती में सभी सफलतम तकनीकियों का प्रयोग करें। इस अवसर पर वैज्ञानिक इंद्रपाल सिंह ने वताया कि जिन खेतों में आलू फसल की वुवाई की जाती है, उनमें वुवाई से पहले हरी खाद का प्रयोग अवश्य करना चाहिये। जिससे उर्वरक उपयोग क्षमता वढ़ेगी। मसाला वैज्ञानिक डॉक्टर संजीव सचान ने लहसुन की फसल पर तकनीकी चर्चा करते हुए सल्फर का प्रयोग करने की सलाह दी। कृपि वैज्ञानिक डॉ.अरुण सिंह द्वारा आलू फसल की कटाई के वाद मूंग, उड़द व मक्का की वुवाई करने की सलाह दी। डॉ.प्रांजल सिंह ने कहा कि जो किसान अपने द्वारा उत्पादित आलू कंदो को वीज के रूप में रखना चाहते है वे भंडारण से पूर्व उन्हें वोरिक एसिड के तीन प्रतिशत घोल से अवश्य उपचारित करें। डॉ.आशुतोप उपाध्याय ने वताया कि जिस प्रकार फसलों को सूक्ष्म पोपक तत्वों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पशुओं में भी इसकी आपूर्ति किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में कृपक संतोप कुमार, रामप्रकाश और रघुवर दयाल सहित 100 अधिक महिला व पुरुप किसानों ने प्रतिभाग किया।

आलू किसानों को नवीन प्रजातियों के प्रयोग करने को दी सलाह